वेबस्टर पूरी तरह से तैयार लग रहे थे और 'तैयार' बिल्कुल वही शब्द है जो वेबस्टर ने अपने सीमित टेस्ट करियर में अब तक करके दिखाया है। दवाब में वेबस्टर की पारी उनके महत्व को दर्शाती है। - रिंकी पोंटिंग

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर, ऑलराउंडर ब्यू वेबस्टर की प्रशंसा करते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

कुलदीप हांडू

जम्मू-कश्मीर के एकमात्र द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता कुलदीप हांडू को डोपिंग रोधी अनुशासन पैनल का सदस्य बनाया गया है। राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) द्वारा जारी आदेश के अनुसार, कुलदीप हांडू को डोपिंग रोधी नियम, 2021 के तहत दो साल की अवधि या राष्ट्रीय डोपिंग रोधी अधिनियम 2022 के लागू होने तक, जो भी पहले हो, डोपिंग रोधी अनुशासन पैनल (एडीडीपी) के खेल सदस्य के रूप में मंजूरी दी गई है। हांडू ने कहा, नाडा के एडीडीपी पैनल का सदस्य बनना मेरे लिए सम्मान की बात है और मुझे इसका सौभाग्य मिला है।

क्या आप जानते हैं ?... क्रिस्टियानो रोनाल्डो सबसे अधिक गोल करने वाले खिलाड़ी हैं, 807 गोल के साथ, और लियोनेल मेसी के पास सबसे अधिक 45 ट्रॉफियां है।

कमिंस की कातिलाना गेंदबाजी से ऑस्ट्रेलिया को मिली बढ़त

लंदन, 12 जून। पैट कमिंस (28 रन पर छह विकेट) की कातिलाना गेंदबाजी की बदौलत आस्ट्रेलिया ने आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल मैच के दूसरे दिन गुरुवार को दक्षिण अफ्रीका की पहली पारी को 138 रन पर समेट कर 74 रन की महत्वपूर्ण बढ़त हासिल कर ली। आस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 212 रन बनाये थे। कमिंस ने आज का पहला विकेट दक्षिण अफ्रीकी कप्तान टेम्बा बवूमा (36) का लिया और इसके साथ ही वह 300 टेस्ट विकेट लेने वाले गेंदबाजों की फेहरिस्त में शामिल हो गये। इसके बाद भी कमिंस की विकेट लेने की भूख कम नहीं हुयी और उन्होने विकेटकीपर बल्लेबाज काइल वेरेन (13),मार्कं यानसन (शून्य) को एक ही ओवर में निपटा दिया। कमिंस ने कैगिसो रबाडा के तौर पर अपना छठा विकेट हासिल किया।

दक्षिण अफ्रीका के लिये डेविड बेडिंघम (45) सर्वाधिक निजी योगदान देने वाले बल्लेबाज बने। उनका भी खेल कमिंस ने खत्म किया। सबसे पहले तो ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने अपनी टीम को डब्ल्यूटीसी 2025 के फाइनल में आगे किया। फिर उन्होंने रिकॉर्ड्स पर रिकॉर्ड्स बनाए। पैट कमिंस डब्ल्यूटीसी फाइनल में फाइफर यानी पारी में 5 विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज बन गए हैं। हालांकि, इस मैच में उन्होंने 6 विकेट निकाले और रन सिर्फ 28 दिए। इसके बाद वे वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2023-25 के चक्र में जसप्रीत बुमराह को पछाड़कर सबसे ज्यादा विकेट चटकाने वाले गेंदबाज बन गए। बुमराह ने इस चक्र में 77 विकेट निकाले थे, लेकिन कमिंस के विकेटों

की संख्या 78 पहुंच गई हैं। जैसे ही कमिंस को इस पारी का छठा विकेट मिला तो टेस्ट क्रिकेट में उनकी विकेटों के मामले में ट्रिपल सेंचुरी भी पूरी हो गई। वे ऐसा करने वाले ऑस्ट्रेलिया के 8वें गेंदबाज बन गए। इसके अलावा कप्तान के तौर पर वह 9 या इससे ज्यादा बार पांच विकेट लेने वाले तीसरे गेंदबाज बन गए। इस मामले में उन्होंने भारत के बिशन सिंह बेदी को पीछे छोड़ा है। इमरान खान और रिची बेनोड ने क्रमश: 12 और 9 बार ये कमाल किया था। करियर में 14वीं बार उन्होंने 5 या इससे ज्यादा विकेट अपने टेस्ट करियर के लिए हैं। इस समय ऑस्ट्रेलिया थोड़ी सी कमजोर लग रही थी, लेकिन इस मैच में पैट कमिंस ने वापसी कराई।

ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी को कम स्कोर पर समेटा जा सकता था : रबाडा

लंदन, 12 जून। दक्षिण अफ्रीका के स्टार गेंदबाज कैगिसो रबाडा का मानना है कि आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में आस्ट्रेलिया की पहली पारी को सस्ते में निपटाया जा सकता था। लॉर्ड्स में दक्षिण अफ्रीकी कप्तान टेम्बा बावुमा ने टॉस जीतकर गंदबाजी करने का फैसला किया, जिसके बाद नई गेंद से जिम्मेदारी कैगिसो रबाडा पर आ गई और इस अनुभवी खिलाड़ी ने अल्टीमेट टेस्ट में अपनी छाप छोड़ने में बहुत कम समय लिया। ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा और कैमरून ग्रीन को आउट करते हुए रबाडा ने टेस्ट मैचों में अपना 17वां पांच विकेट हॉल हासिल किया। उनके इस स्पैल की मदद से दक्षिण अफ्रीका ने गत चैंपियन को 212 रनों पर समेट दिया लेकिन रबाडा का मानना है कि प्रोटियाज ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजी को और भी पहले ध्वस्त कर सकते थे। लॉर्ड्स में दिन का खेल खत्म होने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए तेज गेंदबाज ने कहा, 212 रनो की चुनौती को हम स्वीकार करेंगे। हमें लगा कि हमें उन्हें 160 पर रोक देना चाहिए था, लेकिन खेल इसी तरह चलता है। ऑस्ट्रेलिया के 146 रन पर पांच विकेट गिरने के बाद ब्यू वेबस्टर ने 72 रन की शानदार पारी खेलकर पहली पारी की कमान संभाली। रबाडा ने ऑलराउंडर की खूब प्रशंसा की, जिन्होंने अपनी पारी की शुरुआत में ही दक्षिण अफ्रीका की तेज गेंदबाजी को भांपकर अपनी रणनीति बदली। उन्होंने कहा, ऐसा लग रहा था कि वह किसी भी गेंद पर आउट हो जाएंगे, लेकिन मुझे लगता है कि उनके सकारात्मक इरादे ने उन्हें जीत दिलाई। रबाडा ने आखिरकार वेबस्टर को आउट किया और एलन डोनाल्ड को पछाड़कर प्रोटियाज के लिए टेस्ट मैचों में चौथे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए। रबाडा ने इस उपलब्धि पर कहा, गेंदबाजों की इस सूची में शामिल होना खास है। एक खिलाड़ी के रूप में बड़े होते हुए और दक्षिण अफ्रीका का प्रतिनिधित्व करते हुए, मैं उन लोगों से प्रेरित हुआ हूं जो पहले आए हैं और उन्होंने बड़े मंच पर जो कुछ किया है, उसे देखा है। उन नामों में शामिल होना खास है और यह लंबे समय तक जारी रह सकता है। रबाडा दक्षिण अफ्रीका के लिए गेंदबाजों में सबसे बेहतरीन थे, वहीं ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाजों ने भी लॉर्ड्स में पहले दिन के अंत में अच्छी शुरुआत की। मिशेल स्टार्क, जोश हेजलवुड और कप्तान पैट कमिंस ने शानदार गेंदबाजी की और दक्षिण अफ्रीका ने दिन का खेल 43/4 पर समाप्त किया।

ऑस्ट्रेलिया की वापसी पर स्टीव स्मिथ खुश

लंदन, 12 जून। आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल मुकाबले के पहले दिन आस्ट्रेलिया की पहली पारी में अर्धशतकीय पारी खेलने वाले स्टीव स्मिथ ने कहा कि लॉर्ड्स में दक्षिण अफ्रीका के विकेट गिरने के बाद उनकी टीम की वापसी सराहनीय है। स्मिथ ने आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल 2025 के पहले दिन 66 रनों की शानदार पारी खेली, लेकिन पार्ट-टाइम स्पिनर एडेन मार्करम का सामना करते समय उनका ध्यान भंग हो गया और गेंद स्लिप में चली गई। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया की टीम 212 रनों पर आउट हो गई, जिसमें ब्यू वेबस्टर ने 72 रनों की पारी खेली। चायकाल के बाद अंतिम पांच विकेट सिर्फ 20 रन पर गिरने के बावजूद ऑस्ट्रेलिया ने वापसी की। मिचेल स्टार्क ने पहले ओवर में मार्करम को क्लीन बोल्ड करके लय हासिल की।

इसके बाद पैट कमिंस और जोश हेजलवुड ने भी एक-एक विकेट लिया, जिससे दक्षिण अफ्रीका का स्कोर चार विकेट पर 43 रन हो गया और खेल का रुख पूरी तरह से बदल गया। स्मिथ ने कहा मुझे लगता है कि हम अच्छी स्थिति में हैं, हमने बल्लेबाजी करते हुए बड़ा स्कोर बनाने के कुछ मौके गंवाए। विकेट ने पूरे दिन कुछ न कुछ दिया, लेकिन हम अच्छी स्थिति में हैं। 169 रन आगे हैं और उनके चार विकेट गिर चुके हैं। उम्मीद है कि सुबह भी कुछ ऐसा ही होगा, जैसा आज हुआ। यह एक बेहतर दिन हो सकता था, लेकिन हम अच्छी स्थिति में हैं। उन्होने कहा मुझे लॉर्ड्स में बल्लेबाजी करना पसंद है और जब मैं क्रीज पर था, तो मैंने अपना समय का आनंद लिया। जब मैं आउट हुआ, तो मुझे लगा कि गेंद नरम थी, लेकिन विकेट अभी भी कुछ दे रहा था और उम्मीद है कि कल भी ऐसा ही होगा।

आईएसएसएफ विश्वकप : सिफत कौर सामरा को महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन में कांस्य पदक

नई दिल्ली, 12 जून। शीर्ष भारतीय निशानेबाज सिफत कौर सामरा ने गुरुवार को आईएसएसएफ विश्व कप में महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन स्पर्धा में कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच कांस्य पदक जीता। महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन स्पर्धा में मौजूदा विश्व रिकॉर्ड धारक 23 वर्षीय सिफत ने आठ निशानेबाजों के फाइनल में 453.1 अंक बनाए।

नॉर्वे की जीनेट हेग ड्यूस्टेड ने 466.9 अंक के साथ स्वर्ण पदक जीता जबकि स्विट्जरलैंड की एमिली जैगी ने 464.8 अंक के साथ रजत पदक हासिल किया। एमिली 590 अंक के साथ क्वालीफिकेशन में नौवें स्थान पर रहीं थी लेकिन फाइनल में जगह बनाने में सफल रहीं क्योंकि शीर्ष आठ में शामिल दो निशानेबाज केवल रैंकिंग अंक (आरपीओ) के लिए निशानेबाजी कर रहीं थी। क्वालीफिकेशन में सिफत ने नीलिंग, प्रोन और स्टैंडिंग के तीन चरण में कुल 592 अंक हासिल करके दूसरा स्थान हासिल किया। इस साल की शुरुआत में ब्यूनस आयर्स में हुए विश्व कप में उन्होंने स्वर्ण पदक जीता था जिससे 2024 पेरिस ओलंपिक में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद इस सत्र की शानदार शुरुआत हुई। फ्रांस की अगाथे सेसिल कैमिली गिरार्ड ने भी क्वालीफिकेशन में 592 अंक हासिल किए लेकिन 10 अंक के अंदरूनी हिस्से (एक्स) में अधिक निशाने के कारण शीर्ष पर रहीं। स्विट्जरलैंड की ऑड्रे गोगनियाट क्वालीफिकेश में तीसरे स्थान पर रहीं।

खिलाड़ियों को तराशने के लिए टेनिस बाल क्रिकेट है अहम : वेंकटेश प्रसाद

दिल्ली, 12 जून। पूर्व भारतीय तेज़ गेंदबाज़ और लेजेंजजी टी10 लीग के चेयरमैन वेंकटेश प्रसाद ने टेनिस बॉल क्रिकेट की अहम भूमिका पर ज़ोर देते हुए कहा कि यह प्रारूप भविष्य के सितारों को तराशने के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। टेनिस बॉल क्रिकेट लीग लेजेंजजी टी10 का शुभारंभ दो जून को हुआ था। टेनिस बॉल क्रिकेट को लेकर वेंकटेश प्रसाद ने बताया कि कैसे दुनिया के कई शीर्ष खिलाड़ियों ने अपने शुरुआती दिनों में टेनिस बॉल क्रिकेट खेलकर अपनी तकनीक निखारी। उन्होने कहा टेनिस बॉल क्रिकेट खिलाड़ियों को तराशने में बड़ी भूमिका निभाता है। दुनिया के कई टॉप खिलाड़ियों ने इसी प्रारूप में कट, पुल जैसे शॉट्स और तेज़ रिफ्लेक्स जैसी स्किल्स सीखी हैं, बल्कि मैं खुद भी टेनिस बॉल क्रिकेट खेलकर बड़ा हुआ हूं, और मुझे पता है कि ज़मीन स्तर पर कितना जबरदस्त टैलेंट छुपा हुआ है। लेजेंजजी टी10 लीग का मकसद ही है उस प्रतिभा को मंच पर लाना और मौका देना है। लीग के फाउंडर और सीईओ चिरंजीव दुबे ने कहा कि, यह लीग भारत के युवाओं और जुनूनी क्रिकेटरों के लिए एक बहुत बड़ा अवसर है।

वापसी कभी आसान नहीं होती : गंभीर

नई दिल्ली, 12 जून। लंबे समय बाद भारत इंग्लैंड में अपनी पहली सीरीज जीतने के इरादे से उतरेगा जिसके लिए वह जबरदस्त तैयारी में जुटा हुआ है। दोनों टीमें के बीच पांच मैच की टेस्ट सीरीज 20 जून से लीड्स में शुरू होगी। मुख्य कोच गौतम गभीर ने करुण नायर की भी तारीफ की जिन्होंने घरेलू क्रिकेट में बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर भारतीय टीम में वापसी की है।भारतीय कोच ने कहा कि, वापसी कभी आसान नहीं होती, जिसने सात साल बाद वापसी की हो, उसका पिछला साल बेहतरीन रहा। उन्होंने कहा कि, आपने जितने रन बनाए हैं और सबसे अहम बात कभी हार ना मानने का जज्बा है जिसने आपको टीम में वापस ला दिया है और ये इस समूह में सभी के लिए प्रेरणादायक है। करुण नायर का स्वागत है। नायर ने कहा कि वह भारत के लिए खेलने का दूसरा मौका मिलने पर आभारी हैं। उन्होंने कहा कि इस अवसर फिर से मिलने के लिए आभारी हूं। मैं इस मौके का पूरा फायदा उठाने के लिए उत्सुक हूं। मुझे यकीन है कि एक बार जब मैं मैदान पर उतरूंगा तो मेरे अंदर बहुत सारी भावनाएं होंगी लेकिन अभी मैं उन्हें व्यक्त नहीं कर सकता।

श्रेयस अय्यर के पास ट्रॉफी जीतने का सुनहरा मौका

नई दिल्ली, 12 जून। टीम इंडिया के स्टार बल्लेबाज श्रेयस अय्यर पिछले कुछ सालों से काफी दमदार प्रदर्शन कर रहे हैं। फिर चाहे वो उनकी बल्लेबाजी हो या कप्तानी दोनों में ही अय्यर बेहतरीन प्रदर्शन कर रहे हैं।

आईपीएल 2025 में अय्यर ने अपने बैट के साथ-साथ कप्तानी में भी अपनी दमखम दिखाया। पंजाब किंग्स को अपनी कप्तानी में अय्यर ने 11 साल बाद फाइनल में पहुंचाया। हालांकि, उन्हें आईपीएल 2025 फाइनल में आरसीबी के खिलाफ हार झेलनी पड़ी लेकिन ठीक 9 दिन बाद फिर से अय्यर के पास ट्रॉफी जीतने का मौका है।

श्रेयस अय्यर की कप्तानी में मुंबई फैलकंस मुंबई टी20 लीग 2025 के फाइनल में पहुंच गई है। मुंबई टी20 लीग 2025 का फाइनल मुकाबला आजा यानी 12 जून को मुंबई फैलकंस और मुंबई साउथ सेंट्रल मराठा रॉयल्स के बीच वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाएगा। ऐसे में ठीक 9 दिन बार अय्यर के पास दोबारा ट्रॉफी जीतने का मौका है। अब देखना है कि ये क्या अय्यर इस बार ट्रॉफी अपने नाम कर पाएंगे। अय्यर ने आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी की थी और सीजन दिल्ली ने फाइनल खेला था। लेकिन फिर उनकी टीम खिताब से चूंक गई थी। उसके बाद साल 2024 में अय्यर ने कोलकाता नाइट राइडर्स की कप्तानी की और उस सीजन टीम ने खिताब जीता था। फिर 2025 में अय्यर ने पंजाब किंग्स की कप्तानी की और टीम को फाइनल तक पहुंचाया। लेकिन फाइनल में टीम को आरसीबी से हार का सामना करना पड़ा।

बियानी ने शत्रुध्न का आरसीए पर्यवेक्षक के रूप में नामांकन रद्द किया

जयपुर, 12 जून। डीसीए करौली की कार्यकारिणी समिति के चुनाव पर हाईकोर्ट द्वारा रोक के बाद जयदीप बिहानी, संयोजक, तदर्थ समिति, आरसीए ने आरसीए के विधिक सलाहकार रवि भोजक से आरसीए विधिक राय के बाद शत्रुधन तिवारी, सचिव, जिला क्रिकेट संघ भरतपुर का आरसीए पर्यवेक्षक के रूप में नामांकन रद्द कर दिया है। जयदीप बिहानी, संयोजक, तदर्थ समिति, आरसीए ने आदेश जारी कर कहा है कि शत्रुधन तिवारी डीसीए करौली की कार्यकारिणी समिति के चुनाव कार्यवाही में आरसीए पर्यवेक्षक के रूप में कार्य नहीं करे। क्योंकि हाईकोर्ट के आदेश के बाद चुनाव नहीं कराया जा सकता है इसलिए पर्यवेक्षक नियुक्त करने की आवश्यकता नहीं है।

पहले टेस्ट में साई सुदर्शन को मौका नहीं, भारत की प्लेइंग 11 की तस्वीर साफ

नई दिल्ली, 12 जून। इंग्लैंड दौरे पर टीम इंडिया का पहला टेस्ट 20 जून से खेलेगी। इसके लिए शुभमन गिल की अगुवाई वाली टीम इंडिया लगातार नेट प्रैक्टिस कर रही है। इसी बीच रिपोर्ट आई है कि इंग्लैंड के खिलाफ लीड्स में खेले जाने वाले पहले टेस्ट मुकाबले में साई सुदर्शन और अभिमन्यु ईश्वरन को मौका नहीं मिलेगा। दरअसल, ये रिपोर्ट नेट्स सेशन के पैटर्न को देखते हुए जारी की गई है। जिससे साफ हो गया है कि विराट कोहली के नंबर 4 पोजिशन पर कौन उतरेगा? इतना ही नहीं टॉप 6 बल्लेबाजों के साथ अब भारत की प्लेइंग इलेवन की तस्वीर भी साफ होती नजर आ रही है।

टीम इंडिया के बुधवार को केंट में नेट सत्र ने संभवत: इस बात के साफ संकेत दिए कि इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में टीम के टॉप खिलाड़ी कौन हो सकते हैं। रेवस्पोर्ट्स की रिपोर्ट के अनुसार, केएल राहुल को अभ्यास सत्र के दौरान तेज गेंदबाजों जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज का सामना करते हुए देखा गया। ऐसे में माना जा रहा है कि केएल ही यशस्वी जायसवाल के जोड़ीदार होंगे। जबकि रोहित शर्मा के बाद साई सुदर्शन के टीम में शामिल होने पर ऐसी अटकलें लगाई जा रही थी कि सुदर्शन नए सलामी बल्लेबाज हो सकते हैं। हालांकि, हाल ही में हुए नेट सेशन में ऐसी कोई संभावना नहीं दिख रही है।वहीं, दूसरे नेट पर कप्तान शुभमन गिल और करुण नायर गेंदबाजों के खिलाफ अभ्यास करते नजर आए। नायर करीब 8 साल के अंतराल के बाद टेस्ट टीम में लौटे हैं।

श्रीगंगानगर ने जयपुर को 43 रनों से हराया, कोटा-उदयपुर-सीकर भी जीते

जयपुर, 12 जून। आरसीए एडहॉक कमेटी सदस्य विमल शर्माने बताया कि बीसीसीआई के आगामी घरेलू क्रिकेट सत्र 2025-26 की पूर्व तैयारियों की लिए आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक व विधायक जयदीप बिहाणी के निर्देशानुसार राजस्थान क्रिकेट संघ द्वाराबीसीसीआई सीनियर रणजी ट्रॉफीक्रिकेट प्रतियोगिता में भाग लेने वाली राजस्थान सीनियर टीम के संभावितों के चयन हेतु आरसीए के तत्वाधान में खेली जा रहीराज्य स्तरीय सीनियर कॉल्विन शील्ड प्रतियोगिता मेंश्रीगंगानगर, कोटा, उदयपुर व सीकर जीते।

कॉल्विनशील्ड के छठे दिन गुरूवार को श्रीगंगानगर टीम ने बड़ा धमाका कर दिया। जयपुर के केएल सैनी स्टेडियम पर खेले गए मुकाबले में श्रीगंगानगर ने टूर्नामेंट में खिताब की बड़ी दावेदार जयपुर की टीम को

43 रनों से हरा दिया। श्रीगंगानगर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सुमित गोदारा की 161 रनों की धमाकेदार पारी के दम पर 348 रनों का स्कोर खड़ा किया था। जवाब में जयपुर की टीम निर्धारित 50 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 305 रन ही बना सकी। जयुपर के लिए भावित कुमावत ने 105 रनों की शतकीय पारी खेली लेकिन वो टीम को जिताने के लिए पर्याप्त नहीं रही।मैच में शानदार शतकीय पारी खेल श्रीगंगानगर को जयपुर की मजबूत टीम के विरुद जीत दिलाने वाले श्रीगंगानगर के सुमित गोदारा को मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाडी की ट्रॉफी प्रतियोगिता के ऑब्जर्वर जालोर जिला क्रिकेट संघ के सचिवसतीश व्यास द्वारा प्रदान की गयी।कॉल्विनशील्डके अन्य मुकाबलों में उदयपुर ने अलवर को 54 रनों से शिकस्त दी। दिन का तीसरे मुकाबले में कोटा ने झालावाड़ को रोमांचक संघर्ष में 9 रन से हराया। जबकि दिन का चौथा और आखिरी मुकाबला सीकर और बाड़मेर के बीच खेला गया। जिसमें सीकर ने 56 रनों से जीत दर्ज की। सुमित गोदारा ने श्रीगंगानगर के लिए 161 रनों की पारी खेली। जयपुर के लिए भावित कुमावत ने 105 रनों की शतकीय पारी खेली। दिन का तीसरा शतक कोटा के कुणाल सिंह राठौड़ के बल्ले से निकला। कुणाल ने झालावाड़ के खिलाफ 135 रनों की पारी खेली।

आज सुमित गोदारा , भावित कुमावत , कुणाल सिंह राठौर के शतक वमानेन्द्र सिंह , शिवा चौहान , सलमान , अरमान, अनिरुद्ध सिंह, रजत चौधरी, अमोल चेलानी, मुकुल चौधरी, जगदीश डूडी, लखन भारती,जयेश पंडिता के अर्धशतक, सलाउदीन ,धनञ्जय तिवारी , तनवीर, मो सलीम, पुष्पेंद्र सिंह,दीपेंद्र सिंह, विनोद कुमावत व हेमंत स्वामी की शानदार गेंदबाजी रही।

पवन कुमावत का वर्ल्ड स्ट्रैंथ लिफ्टिंग थाईलैंड के लिए भारतीय टीम में चयन

जयपुर, 12 जून। राजस्थान स्ट्रैंथ लिफ्टिंग के सचिव चन्द्रेश सोनी ने बताया कि राजस्थान जयपुर के पवन कुमावत का 16 से 19 जुलाई तक होने जा रही वर्ल्ड स्ट्रैंथ लिफ्टिंग थाईलैंड के लिए सीनियर वर्ग 76 किलो भार वर्ग में भारतीय टीम मे चयन किया गया। पवन कुमावत का चयन हाल में हुई सिनियर स्ट्रेन्थ लिफ्टिंग प्रतियोगिता हरियाणा में ट्रायल के आधार पर किया। पवन कुमावत ने इस पहले भी भारत के लिए कई पदक दिला चुके हैं । कोच पुष्पेन्द्र सिंह राठौर की देखरेख में पवन कुमावत तैयारी कर रहे है। पवन कुमावत ने अपनी कामयाबी का श्रेय अपने माता पिता जगदीश प्रसाद, नान्ही देवी, कोच पुष्पेन्द्र सिंह राठोड को दिया। पवन कुमावत का लक्ष्य देश को गोल्ड मेडल दिलाना है।

आर.डी. बाहेती जिला बैडमिंटन में जयवर्धन ने जीता पुरुष एकल व बालिका अंडर-17 पदमजा ने जीता

जयपुर, 12 जून। आर डी बाहेती चैरिटेबल ट्रस्ट जयपुर जिला बैडमिंटन ओपन प्रतियोगिता में खेले गए पुरुष एकल का खिताब जयवर्धन सिंह,अंडर 17 बालिका वर्ग एकल खिताब पदमजा सिंह ने जीता। फाइनल में जयवर्धन सिंह ने अंबर चंद्रवंशी को दो सीधे गेमों में 21 -12, 21- 12 आसानी से हराया वहीं बालिका वर्ग एकल अंडर 17 में पदमजा और अपेक्षा का कड़े संघर्ष के बाद तीन गेमों में फैसला हुआ पहला गेम पदमजा 21-17 से जीती दूसरा 12 - 21 से हारने के बाद तीसरा गेम 21- 14 से जीत 48 मिनट में फाइनल अपने नाम किया, वहीं मिक्स डबल्स अंडर 15 में श्रेयांश चौधरी और आराध्या ढींगरा की जोड़ी ने तीन सेटों में मनन शर्मा व पदमजा सिंह की जोड़ी को 21-18, 12 -21, 21 -17 से हरा फाइनल जीता। लड़कों के अंडर 15 फाइनल डबल्स में अभिषेक और कीर्तिराज यादव की जोड़ी

को 21- 10 ,21 -13 से हरा फाइनल जीता, वही बालिका वर्ग अंडर 15 डबल्स में ओजस्वी दुबे और पर्ल पारिक की जोड़ी ने 21- 12 ,21- 18 कनिष्का व खुशी फाईनल में हराया। गर्ल्स डबल्स अंडर 17 के फाइनल में अदविका अग्रवाल और गरिमा यादव की जोड़ी ने 21 -14 ,21 -9 से ओजस्विता दुबे और पर्ल पारिक की जोड़ी को हराकर खिताब अपने नाम किया। ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेट्री अतुल गुप्ता के अनुसारआज अंडर 11 बालक बालिकाओं के दो राउंड के मैच तथा अंडर 13 बालको के एक राउंड के मैच खेले गए। जिला सचिव मनोज दासोत के अनुसार कल अंडर 11, अंडर 13, अंडर-19 के मैच खेल जाएंगे।

चौगान स्टेडियम जयपुर द्वारा ग्रीष्मकालीन प्रतिभा खोज खेलकूद प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 16 से

जयपुर, 12 जून। जिला खेलकूद प्रशिक्षण केन्द्र चौगान स्टेडियम जयपुर द्वारा ग्रीष्मकालीन प्रतीभा खोज खेलकूद प्रशिक्षण शिविर का आयोजन दिनांक 16 जून से 30 जून तक किया जाएगा। भामाशाहों के सहयोग से ये कैंप पिछले 50 वर्षों से लगातार चल रहा है। इसमें खिलाड़ियों को टी शर्ट और सर्टिफिकेट का वितरण राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद के द्वारा किया जाता है। इसकी शुरुआत एस एस किसान द्वारा की गई थी। जिला खेल कूद प्रशिक्षण केंद्र चौगान स्टेडियम ओर राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद के संयुक्त तत्वावधान में ये दूध चना शिविर लगाया जाता है।

जिला खेल अधिकारी मान सिंह के अनुसार इस प्रशिक्षण शिविर में फुटबाल, वुशु, खो-खो, ताईक्वांडो, बॉक्सिंग, कबड्डी, बास्केटबाल, नेटबाल, बॉल बैडमिंटन, भारत्तोलन, हैण्डबॉल खेलों में चयनित खिलाडियों को प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। इच्छुक खिलाडी जिला खेलकूद प्रशिक्षण केन्द्र चौगान स्टेडियम जयपुर के कार्यालय में सम्पर्क कर अपना पंजीयन करवा सकते है। प्रशिक्षण प्रात: 06:30 बजे से 08:30 बजे तक और सांयकाल 5 बजे से 7 बजे तक रहेगा।

21 दिवसीय केन्द्रीय आवासीय जनजाति खेलकूद प्रशिक्षण शिविर सम्पन्न

तीरंदाजी में पिंकी व मनोज बने सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी

जयपुर, 12 जून। राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद द्वारा बांसवाडा में आयोजित 21 दिवसीय केन्द्रीय आवासीय जनजाति खेलकूद प्रशिक्षण शिविर गुरूवार को सम्पन्न हुआ। 9 खेलों में आयोजित शिविर में सर्वश्रेष्ठ खिलाडियों को पुरस्कृत किया गया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि व राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद के वित्तीय सलाहकार महावीर मीणा ने सभी खेलों के सर्वश्रेष्ठ खिलाडियों को पुरस्कृत किया। समारोह की अध्यक्षता मुख्य शिविर निदेशक और द्रोणाचार्य अवार्डी व मुख्य खेल अधिकारी वीरेन्द्र पूनिया ने की जबकि विशिष्ट अतिथि डीएसपी श्याम सिंह थे।

समारोह में सर्वश्रेष्ठ खिलाडियों को पुरस्कृत किया गया, जिसमें तीरंदाजी बालको में मनोज निनामा, पिंकी मईडा, एथलेटिक्स में पवन कुमार डिंडोर व

अंजली मईडा, फुटबाल में आशिष डामोर व चंचल मीणा, हैंडबाल में रमेश मकवाना व नंदनी, हॉकी में सुभाष व रेखा मनात, कबड्डी में जितेन्द्र व धन्वनती, खो-खो में सचिन कुमार डामोर व निशा गरासिया, वॉलीबाल मे कीर्तन कुमार व अर्चना को सम्मानित किया गया जबकि बास्केटबाल में केवल बालक वर्ग का ही शिविर आयोजित किया गया था, इसमें दीपक बांमणिया को सर्वश्रेष्ठ खिलाडी के रूप में पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर शिविर निदेशक व खेल प्रबन्धक नरेन्द्र भूरिया ने शिविर के बारे में लेखा जोखा पेश किया।

जबकि वीरेन्द्र पूनिया ने कहा कि 21 दिन तक जो मेहनत आप बच्चो ने की है, उसे आगे भी इसी तरह से जारी रखना। साथ ही उन्होने बच्चो को आगे बढने के बारे में बताते हुए कहा कि कडी मेहनत ही इसका एक मात्र मंत्र है।